

# टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

परीक्षा : दिसंबर – २०२४

सत्र – २

विषय: विशेष साहित्यकार उपन्यासकार-प्रेमचंद भाग -२ (HC - 202)

दि.: ०५/१२/२०२४

कुल अंक : १००

समय : दो. २.०० से दो. ५.००

सूचनाएँ : १. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२. सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

- प्र. १ 'सेवासदन' उपन्यास की कथावस्तु को संक्षेप में लिखते हुए, इस उपन्यास के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।
- प्र. २ 'सेवासदन' उपन्यास में चित्रित समस्याओं को सोदाहरण विशद कीजिए।
- प्र. ३ 'सेवासदन' उपन्यास के नारी चरित्रों की विशेषताओं को स्पष्ट करते हुए, तत्कालीन समाज में स्थित नारी जीवन की स्थितियों का वर्णन कीजिए।
- प्र. ४ 'रंगभूमि' उपन्यास में चित्रित अंध सूरदास के जीवन संघर्ष को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
- प्र. ५ 'रंगभूमि' उपन्यास में अभिव्यक्त विविध समस्याओं के संदर्भ में विवेचन कीजिए।
- प्र. ६ 'रंगभूमि' उपन्यास में चित्रित पात्रों की चारित्रिक विशेषताओं को उजागर कीजिए।
- प्र. ७ 'निर्मला' उपन्यास की कथावस्तु को संक्षेप में लिखते हुए, उसकी विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।
- प्र. ८ 'निर्मला' उपन्यास की मूल समस्या पर प्रकाश डालते हुए, उससे जुड़ी अन्य समस्याओं का सोदाहरण विवेचन कीजिए।
- प्र. ९ निम्नलिखित में से किन्हीं दो अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।
१. आज तक तुम अपने लिए जीती थी, अब दूसरों के लिए जिओ।
  २. सूरदास एक क्षीणकाय, दुर्बल और सरल व्यक्ति, बाह्य दृष्टि बंद और अंतर्दृष्टि खुली हुई।
  ३. ईश्वर से मेरी यही प्रार्थना है कि मेरा पुनर्जन्म आप के गर्भ से हो।
  ४. अगर मेरी मुक्ति हो सकती है तो मेरे कर्मों से होगी।
- प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।
१. मन्साराम
  २. सुमन
  ३. 'रंगभूमि' शीर्षक की सार्थकता
  ४. 'निर्मला' का जीवन-संघर्ष

-----